ज्ञानसागर कोचिंग क्लासेस, अहमदनगर

इयत्ता – १० वी	सराव परीक्षा क्र. १	वेळ – ३ घंटा
विषय – हिंदी (संपूर्ण)		गुण – ८०

सूचना – शुद्ध भाषा एवं सुवाच्च लेखन अपेक्षित है।

प्र.१ अ) निम्नलिखित प्रश्नों में सके किनहीं चार प्रश्नों के उत्तर पाठ्यपुस्तक के संबंधित पाठों के आधारपर अपने शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास–साठ शब्दों में लिखिए। १२

१) जादूगर को राजदरबार में ऊँचा स्थान क्यों मिला?
२) राष्ट्रपिता गांधीजी ने हमें क्या सिखाया?
३) घर में शंकर क्या–क्या काम करता था?
४) गायत्री की सच्चे सुख का कौन–सा रहस्य मालूम हो गया?
५) यात्रा पर निकलने के कौन–से तरीके लेखक अज्ञेयजी ने बताये है?
६) डॉ. माशेलकर ने युवकों से क्या अपेक्षा की है? क्यों

प्र.२ अ) पठित पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक–एक वाक्य मे लिखिए। ०३

१) लेखक काकासाहेब कालेलकर जी अपने को 'सह्यपुत्र' क्यों कहते है?
२) रंगीन ऐनक का अविष्कार किसने किया?
३) मगनसिंह की माँ बीजक कहाँ मिला?

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों में आए हुए शब्दों से कीजिए। रिक्त–स्थानपूरक शब्दों को अधोरेखांकित कीजिए और पूर्ण वाक्य लिखिए। ०३

१) सारा घर ----- कर रहा था।
२) जिसने पैदा किया है, वह ----- भी करेगा।
३) हम स्वतंत्र ----- राष्ट्र बना रहे है।

इ) पाठ्यपुस्तक के पाठों के आधार पर यह लिखिए के निम्नलिखित प्रत्येक वाक्य किसने और किससे कहा है। प्रत्येक उत्तर पूर्ण वाक्य में हो। ०२

१) ''आप आ गये, बडी दया की।''
२) ''इसी का नाम जीवनरस है।''

ई) पाठ्यपुस्तक के पाठों के आधारपर निम्नलिखित विधानों के साथ दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प जोडकर प्रत्येक विधान पूर्ण करके फिर से लिखिए। ०२

१) छडी टेककर चलना उनके विचार से -----
   अ) बीमारी का चिह्न था।
   ब) बुढापे का चिह्न था।
   क) लूलेपन का चिह्न था।
२) डूबती नाव फिर -----
   अ) डूबने लगी थी।
   ब) तैरने लगी थी।
   क) पार लग रही थी।

प्र.३ क) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर पाठ्यपुस्तक की पठित कविताओं के आधार पर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास साठ शब्दों में हो। ०९

१) श्रीकृष्ण की शिकायत का उत्तर यशोदा किस प्रकार देती है?

आगे देखिए...

DNYANSAGAR A'Nagar

२) राष्ट्रसंत तुकडोजी ने जीवित मानव की क्या पहचान बताई है?
३) 'शहीद' कविता के आधार पर बताइये की शहीद हमें क्या संदेश देते है?
४) कवि भटनागरजी 'बिजलिया गिरने नहीं देंगे' कविता के आधार पर हम भारतीयों की क्या-क्या विशेषताएँ बताते है?
५) 'दाने मकई के' कविता के आधार पर मकई के दाने किसान के घर क्यों जाना चाहते है?

ख) निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर पाठ्यपुस्तक की पठित कविताओं के आधार पर एक-एक पूर्ण वाक्य में लिखिए। ०५

१) बालक श्रीकृष्ण को किसने सिझाया?
२) सोना पाने मात्र से क्या हो जाता है?
३) यशोधरा अंत में क्या निश्चय करती है?
४) धरती मनुष्य को कहाँ देखना चाहती है?
५) बालिका में किसकी क्षमाशीलता है?

ग) पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त-स्थानों की पूर्ति करके वाक्य फिर से लिखिए। रिक्त स्थानपूरक शब्दों को अधोरेखित कीजिए।

१) वही ----- समझा जाता, जो मौत पड़े पर नहिं डरता।
२) यदि वे चल आए है इतना, तो दो ----- उनको है कितना।
३) शाही शान ----- की है, मनीकामना मतवाली।
४) मिट्टी की ----- तज हम, चलने को है तैयार।

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर पाठ्यपुस्तक की पठित लोककथाओं के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए। प्रत्येक उत्तर लगमग साठ शब्दों में हो। ०३

१) युवक हंस ने कौए को किस प्रकार सबक सिखाया?
२) बुड्ढे पितामह का स्वास्थ्य कैसा था? क्यों?
३) राजा को किस बात का अभिमान था? क्यों?
४) 'काठ के जूते' कहानी से कौन-सा संदेश मिलता है?

<u>अथवा</u>

निम्नलिखित लोककथाओं में से किसी एक लोककथा का सारांश पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखिए। सारांश लगभग एक सौ पचास शब्द में हो।

१) मानव-प्रेम २) निर्दयी राजा और सयानी बुढ़िया।

प्र.५ ट) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों का हिंदी में अर्थ लिखकर उन मुहावरों का अपने अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग किजिए। प्रत्येक मुहावरे के लिए अलग-अलग वाक्य हो। प्रयुक्त मुहावरों को अधोरेखित कीजिए। ०३

१) नजर नसाई जाना। २) चल बसना।
३) आँखे खुलना। ४) जड़ से उखाडना।
६) राह देखना।

ठ) निम्नलिखित अव्ययों में से किन्ही दो का अव्यय के रुप में ही सार्थक वाक्यो में प्रयोग कीजिए। प्रत्येक अव्यय के लिए एक स्वतंत्र वाक्य लिखिए। प्रयुक्त अव्यय शब्दों को अधोरेखित कीजिए। ०२

१) पास २) अच्छा ३) और

ड) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही तीन वाक्यों को कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके फिर से लिखिए। ०३

१) उन्हें दूर-दूर की यात्रा करनी पड़ती है। (पूर्ण भूतकाल)
२) पश्चात्ताप कर लेने पर मनुष्य के पाप धुल जाते है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

आगे देखिए...

DNYANSAGAR A'Nagar

३) अम्मी खीझकर कहती है। (अपूर्ण भूतकाल)
४) नक्शों से यह फायदा होता है। (सामान्य भविष्यकाल)

ढ) निम्नलिखित वाक्यो में से किन्ही दो का वाक्यो को शुद्ध करके पूर्ण शुद्ध वाक्य लिखिए। ०२

१) नैरोबी की किसी अस्पताल में कुछ मिला था।
२) अजय ने दरवाजे से बाहेर खड़े होकर जोर से आवाज दिया।
३) हर गली में उसका दुकान खुल गया।

प्र.६ निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगमग १५० से २०० शब्दों तक निबंध लिखिए। ०८

१) मेरी अविस्मरणीय यात्रा। २) भारतीय किसान।
३) यदि मैं वैज्ञानिक होता। ४) एक घायल सैनिक की आत्मकथा।

प्र.७ अ) निम्नलिखित पत्र का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए। ०५

प्रियंका/प्रवीण देसाई, १५ 'शारदा', शिवाजीनगर पुणे ५ से व्यवस्थापक, सरस्वती भंडार, कोल्हापूर, ४१६००१ को पत्र लिखकर निम्नलिखित पुस्तके मँगवाती/मँगवाता है।
निर्मला (उपन्यास) – प्रेमचंद, गोदान (उपन्यास)– प्रेमचंद, रेखा ओर रंग – डॉ. विजय मोहन शर्मा, कुछ विचार – कुछ अनुभव डॉ. मोहन धारिया।

अथवा

सुनीता/ सुनील राऊत, ५२५, जवाहर चौक, गंगाखेड से श्री मुख्याध्यापक, सरस्वती कन्या विद्यालय, परभणी को अपनी छोटी बहन को पाँचवी कक्षा में प्रवेश दिलाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखती। लिखता है।

ब) निम्नलिखित रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। उसे उचित शीर्षक दीजिए। कहानी से प्राप्त होने वाली सीख भी लिखिए। ०५

सज्जन का गुणवान पुत्र ––– बुरी संगत ––– पिता को दु:ख –––उपदेश व्यर्थ ––– बाजार से अच्छे आमों की टोकरी खरीदना ––– पूत्र को बुलाकर उन आमों में एक सड़ा आम रखवाना ––– दूसरे दिन खाने के लिए टोकरी खोलना सारे आम सडे हुए ––– पुत्र पर असर ––– पिता का उपदेश।

<u>अथवा</u>

नूतन विद्यालय, नासिक में मनाए गए 'शिक्षक दिवस' समरोह का रोचक भाषा में वृतांत तैयार किजिए। वृत्तांत में स्थल, काल, घटना आदि का उल्लेख कीजिए।

प्र.८ निम्नलिखित गद्यखंड के आधार पर उसके नीचे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। ०४

परोपकार मनुष्य के सभी गुणों का मूल है। परोपकर के कारण मनुष्य के जीवन में अनेक प्रकार के गुण आ जाते है। परोपकार एक ऐसा जादू है जो मनुष्य के हृदय में पवित्रता, दया, क्षमा, त्याग, प्रेम आदि गुणो को उत्पन्न करता है। इस प्रकार परोपकार सभी गुणों की खान है। सत्य तो यह है कि परोपकारी मनुष्य साक्षात् ईश्वर के समान होता है। उसका हृदय सागर की भाँति विशाल होता है। संपूर्ण मानव समाज के लिए उसमें प्रेम भरा रहता है। अत: परोपकारी मनुष्य विश्वबंधु होता है। परोपकार से मनुष्य को सच्चा आनंद ओर सच्चा सुख मिलता है। राजा अपनी शक्ति के बल पर मनुष्य के शरीर पर अधिकार कर सकता है किंतु परोपकार करने वाला मनुष्य असंख्य मनुष्यों के मन को जीत लेता है।

प्रश्न –

१) परोपकार से मनुष्य में कौन–से गुण उत्पन्न होते है?
२) परोपकार से परोपकारी मनुष्य को क्या लाभ होते है?
३) राजा और परोपकारी मनुष्य में क्या अंतर होता है?
४) इस गद्यखंड को उचित शीर्षक दीजिए।

*****

DNYANSAGAR A'Nagar